

भूगोल

संभावित प्रश्न

(मुख्य परीक्षा-2010)

प्रश्न-पत्र-2

द्वारा : महेश बर्णवाल
Ph. : 09210227051, 09313419455

लघु टिप्पणी:

- i) पश्चिमी विश्वोभ से क्या तात्पर्य है? भारत में इसके महत्व की विवेचना करें।
- ii) भारतीय मानसून पर एल-निनो के प्रभावों की आलोचनात्मक विवेचना करें।
- iii) भारत में बायो डीजल विकास की संभावनाओं पर चर्चा करें।
- iv) भारतीय कृषि के अभिनव रूपांतरण में संरचनात्मक कारकों की भूमिका का परीक्षण करें।
- v) कृषि उत्पादकता व कृषि दक्षता में अंतर स्पष्ट करें एवं भारतीय कृषि में उनके महत्व की विवेचना करें।
- vi) भारत के औद्योगिक विकास में सार्वजनिक उपक्रमों की क्या भूमिका रही है, स्पष्ट करें।
- vii) भारत में कुटीर उद्योगों के वितरण प्रारूप की सकारण विवेचना करें।
- viii) भारत में विशेष आर्थिक क्षेत्रों (SEZs) की उपयोगिता का परीक्षण करें।
- ix) सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का भारत के औद्योगिक विकास में योगदान का परीक्षण करें।
- x) भारत में अंतरिक्ष कार्यक्रमों की सफलता का मूल्यांकन करें।
- xi) सेतुसमुद्रम परियोजना के महत्व व उससे संबंधित विवादों पर चर्चा करें।
- xii) भारत में जनजातियों व जनजातीय क्षेत्रों की समस्याओं का विवरण प्रस्तुत कीजिए।
- xiii) भारत में स्वास्थ्य सूचकों की स्थिति पर विचार करें।
- xiv) भारत की जनसंख्या नीति की आलोचनात्मक विवेचना करते हुए इस संबंध में उपयुक्ततम नीति प्रस्तावित करें।
- xv) सन्तनगर, महानगरीय प्रदेश व नगरीय प्रसार की संकल्पना पर चर्चा करें।
- xvi) भारत में महानगरीय प्रदेश नियोजन रणनीति पर चर्चा करें।
- xvii) भारत में नगरीकरण की संकल्पना पर चर्चा करें।
- xviii) भारत में बहुस्तरीय योजना के महत्व की विवेचना करें।
- xix) भूगोल व प्रादेशिक आयोजना के बीच संबंधों का परीक्षण कीजिए।
- xx) भारत में जलविभाजक प्रबंधन के महत्व की विवेचना करें।
- xxi) भारत-चीन सीमा विवाद के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करें।
- xxii) वैश्विक मामलों में भारत की संभावित भूमिका पर एक निबंध लिखें।
- xxiii) भारत में सीमा पार आतंकवाद की घटनाओं पर टिप्पणी करें।
- xxiv) भारत में कृषि व औद्योगिक अशांति के कारणों को बताएं।

xxv) भारतीय अर्थव्यवस्था पर भूमंडलीकरण के प्रभावों की विवेचना करें।

दीर्घ प्रश्न:

- प्रश्न 1. भारत के पड़ोसी देशों के साथ स्थानिक संबंधों को विवादित मुद्दों के विशेष संदर्भ में विवेचित करें।
- प्रश्न 2. उत्तर-पुस्तिका में स्कैच बनाकर भारत के प्रमुख भू-आकृतिक प्रदेशों को दर्शाएँ और हिमालय अथवा प्रायद्वीपीय भारत के उच्चावच एवं संरचना के लक्षणों का विवरण प्रस्तुत कीजिए।
- प्रश्न 3. भारतीय मानसून की अनियमित प्रकृति भारत में बाढ़ व सूखे की घटनाओं के लिए उत्तरदायी है, आलोचनात्मक विवेचना करें।
- प्रश्न 4. उत्तर-पुस्तिका में स्कैच बनाकर भारत के प्रमुख जलवायु प्रदेशों को दर्शाएँ एवं उनमें से प्रत्येक की जलवायुविक विशेषताओं को विवेचित करें।
- प्रश्न 5. भारत के धात्विक संसाधनों अथवा जीवाश्मी ऊर्जा संसाधनों की विवेचना वर्तमान व भावी मांगों के विशेष संदर्भ में करें।
- प्रश्न 6. हरित क्रांति के द्वैयात्मक प्रभावों को विवेचित करते हुए बताएं कि क्या भारत में द्वितीयक हरित क्रांति की आवश्यकता है?
- प्रश्न 7. फसल संयोजन के आधार पर भारत को प्रमुख कृषि प्रदेशों में विभाजित करें एवं बताएं कि यहां किस प्रकार की कृषि विकास रणनीति बनाई जा सकती है।
- प्रश्न 8. भारत में सीमेन्ट अथवा सूती वस्त्र उद्योग के स्थानीकरण, विकास, समस्याओं व संभावनाओं पर चर्चा करें।
- प्रश्न 10. भारतीय रेलमार्ग व सड़क-जाल के परिपूरक तथा प्रतिस्पर्धात्मक स्वरूप का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
- प्रश्न 11. भारतीय संघ में विविधता में एकता का बेहतर समन्वय हुआ है, स्पष्ट करें।
- प्रश्न 12. भारत में प्रादेशिक चेतना व अंतराज्यीय मुद्दों को स्पष्ट करें एवं बताएं कि राष्ट्रीय एकता को ये किस प्रकार से प्रभावित कर सकते हैं।
- प्रश्न 13. भारत में बाढ़-प्रवण क्षेत्रों के वितरण और देश में बाढ़ों के प्रभाव का नियंत्रण करने के कार्यक्रमों एवं नीति का एक विवरण प्रस्तुत कीजिए।
- प्रश्न 14. भारत में जनसंख्या विस्फोट के कारणों की विवेचना करें एवं बताएं कि इससे खाद्य सुरक्षा पर क्या प्रभाव पड़ सकते हैं एवं इस संबंध में किस प्रकार के प्रयास करने की आवश्यकता है।
- प्रश्न 15. भारत के आर्थिक विकास में प्रादेशिक विषमताओं के कारणों का विश्लेषण कीजिए व उनके निराकरण हेतु उपयुक्त सुझाव दीजिए।
- प्रश्न 16. पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन के सिद्धांतों को बताते हुए भारत में पर्यावरणीय प्रबंधन हेतु किए जा रहे प्रयासों पर विस्तृत चर्चा करें।
- प्रश्न 17. सतत वृद्धि व विकास की संकल्पना को स्पष्ट करें। भारत में इस दिशा में किस प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं।